भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3512

उत्तर देने की तारीख - 11/08/2025

सोमवार, 20 श्रावण, 1947 (शक)

नीतियों/योजनाओं के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा देना

†3512. श्री ई. तुकाराम:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2015 से 2025 तक प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत प्रशिक्षत और नियोजित युवाओं की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) बेहतर प्लेसमेंट परिणामों के लिए पीएमकेवीवाई के अंतर्गत लक्षित प्रमुख उद्योग क्षेत्र कौन से हैं;

(ग) सरकार पीएमकेवीवाई की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों और निजी क्षेत्र के भागीदारों के साथ किस प्रकार सहयोग करती है;

(घ) क्या सरकार युवाओं और कुशल श्रमिकों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा देने हेतु नई नीतियों या योजनाओं पर विचार कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई), देश भर के युवाओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने और पूर्व अधिगम की मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से उनके कौशलोन्नयन और पुनः कौशलीकरण के लिए वर्ष 2015 से अपनी प्रमुख स्कीम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) को कार्यान्वित कर रहा है । पीएमकेवीवाई के तहत, वर्ष 2015 से दिनांक 30.06.2025 तक, देश भर में 1.64 करोड़ उम्मीदवारों को प्रशिक्षित/अभिविन्यस्त किया गया है। पीएमकेवीवाई के तहत, स्कीम के पहले तीन संस्करणों, पीएमकेवीवाई 1.0 (2015-16), पीएमकेवीवाई 2.0 (2016-20) और पीएमकेवीवाई 3.0 (2020-22) में अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) घटक में प्लेसमेंट को ट्रैक किया गया था। पीएमकेवीवाई 4.0 (2022-26) के अंतर्गत, प्रशिक्षित उम्मीदवारों को अपने विविध करियर पथ चुनने में सक्षम बनाने और उन्हें उपयुक्त रूप से

अभिविन्यस्त करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पीएमकेवीवाई के पहले तीन संस्करणों के अंतर्गत, 24.37 लाख उम्मीदवारों को नियोजित किया जा चुका है।

(ख) पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत, उद्योग-प्रधान अवार्डिंग बॉडीज द्वारा विकसित राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे (एनएसक्यूएफ) से जुड़ी नौकरियों में कौशल प्रदान किया जा रहा है। पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत, उद्योग जगत की उभरती माँगों और नए युग की तकनीक के के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, उभरती और भविष्य के कौशल पर केंद्रित एआई, 5जी तकनीक, साइबर सुरक्षा, ग्रीन हाइड्रोजन, ड्रोन तकनीक पर 400 से अधिक नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।

(ग) सरकार राज्य सरकारों और निजी क्षेत्र के हितधारकों के साथ सक्रिय समन्वय के माध्यम से पीएमकेवीवाई की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए एक सहयोगात्मक और अभिसरण-संचालित दृष्टिकोण अपनाती है। इस स्कीम के अंतर्गत, राज्यों को स्थानीय माँग के आधार पर प्रशिक्षण लक्ष्य प्रस्तावित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो प्रासंगिकता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए जिला-स्तरीय कौशल अंतराल अध्ययनों द्वारा समर्थित होते हैं। इसके अतिरिक्त, यह स्कीम पाठ्यक्रम विकास, उद्योग-के अनुरूप प्रशिक्षण, मूल्यांकन और प्लेसमेंट सुविधा के लिए उद्योग निकायों, अवार्डिंग बॉडीज और कॉर्पोरेट संस्थाओं के माध्यम से निजी क्षेत्र के भागीदारों को शामिल करती है। इसके अलावा, नियोक्ताओं को उद्योग संपर्क को मज़बूत करने और प्लेसमेंट परिणामों में सुधार लाने के लिए शिक्षुता कार्यक्रमों, माँग एकत्रीकरण और कार्यस्थल प्रशिक्षण (ओजेटी) पहलों के माध्यम से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(घ) और (ङ) सरकार ने पीएमकेवीवाई के तहत देश भर में युवाओं और कुशल श्रमिकों के लिए बड़े पैमाने पर रोज़गार सृजन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नीतिगत पहल की हैं। रोज़गार के अवसरों को सक्षम बनाने के लिए, स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) प्लेटफ़ॉर्म को एक वन-स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म के रूप में लॉन्च किया गया है जो कौशल, शिक्षा, रोज़गार और उद्यमिता इकोसिस्टम को एकीकृत करता है ताकि विभिन्न हितधारकों को लक्षित करते हुए आजीवन सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान की जा सके। प्रशिक्षित उम्मीदवारों का ब्यौरा संभावित नियोक्ताओं से जुड़ने के लिए सिद्ध पोर्टल पर उपलब्ध है। इसके अलावा, उम्मीदवार इस प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से नौकरियों और शिक्षुता के अवसरों तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ओजेटी को पीएमकेवीवाई का एक अंतर्निहित घटक बनाया गया है। नियोक्ताओं और उम्मीदवारों के बीच सक्रिय संपर्क सुनिश्चित करने के लिए, देश भर में रोज़गार मेले आयोजित किए जाते हैं।

*****